लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4887

01 अप्रैल, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

हथकरघा के लिए योजनाएं

4887. श्री अनन्त नायक:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2014-15 के दौरान कच्चे रेशम के वार्षिक उत्पादन का ब्यौरा क्या है और इसमें ओडिशा का योगदान कितना है;

(ख) वर्ष 2024-25 में फरवरी 2025 तक कुल अनुमानित रोजगार सृजन का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान ओडिशा के कितने बुनकर और कामगार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हुए हैं;

(घ) क्या सरकार ओडिशा में हथकरघा और रेशम उद्योग को बढ़ावा और पारंपरिक बुनकरों को सहायता देने हेतु कोई विशेष योजना कार्यान्वित कर रही है; और

(ङ) क्या सरकार ओडिशा में बुनकरों के लिए टेक्सटाइल पार्क, रेशम क्लस्टर और वित्तीय सहायता बढ़ाने के लिए कोई नई योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क): वित्त वर्ष 2024-25 (जनवरी, 2025 तक) और वित्त वर्ष 2014-15 की इसी अवधि के लिए कच्ची रेशम का उत्पादन नीचे दिया गया है:

अवधि	2024-25 वास्तविक (जनवरी-2025 तक)	2014-15 वास्तविक (जनवरी-2015 तक)
कच्ची रेशम उत्पादन (मीट.)	34,042	24,299
कच्ची रेशम उत्पादन ओडिशा (मीट.)	81	98

*वर्तमान में, डाटा जनवरी, 2025 तक उपलब्ध है।

(ख): जनवरी 2025 तक रेशम क्षेत्र में अनुमानित कुल रोजगार सृजन 80.90 लाख व्यक्तियों का है।

(ग) से (ङ): सरकार सिल्क समग्र-2, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और कच्ची सामग्री आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) जैसी केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से ओडिशा सहित देश में हथकरघा और रेशम उद्योग को बढ़ावा दे रही है। इन योजनाओं के तहत, एनएचडीपी और आरएमएसएस के तहत फरवरी 2025 तक 31,077 हथकरघा कामगारों को लाभ प्राप्त हुआ है, जबकि सिल्क समग्र-2 के तहत लगभग 500 रेशम रीलर/कारीगरों को सहायता प्रदान की गई है और 200 रेशम रीलर और 143 रेशम हथकरघा बुनकरों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

***